पार्क बंद रहे और रेस्टोरेंट-मॉल बने जवां दिलों के मिलने का सहारा

उपमुख्य संवाददाता, धनबाद

वैलेंटाइन डे के दिन भी कोविड 19 की वजह से पार्क बंद रहे. इसके बाद जवां दिलों ने खूब अपने प्यार का इजहार किया. प्यार की खुमारी, छलकते जज्बात और बदमाश लम्हों के साथ लव पर्संस ने रेस्टोरेंट और मॉल में अपनी भावनाओं का इजाहर किया. शहर के पार्क बंद रहने के कारण प्रेमी जोड़ों को थोड़ी मायूसी जरूर हुई.बावजूद इसके आज के दिन को खास बनाने के लिए गिफ्ट के साथ ही वैलेंटाइन स्पेशल कार्ड शेयर किये गये. प्रेमी जोड़ों के साथ ही न्यू कपल्स, ओल्ड कपल्स भी वेलेंटाइन डे को लेकर काफी उत्साहित दिखे. मॉल, रेस्टोरेंट को वेलेंटाइन डे थीम पर सजाया गया. हार्ट कुशन, टेडीबियर, चाकलेट्स के साथ इस दिन को खास बनाया गया. शहर के रेस्टोरेंट में थीम पार्टी हुई और वैलेंटाइन स्पेशल डिश सर्व किये गये. कहीं डीजे नाइट, कैंडल लाइट डिनर पार्टी भी अरेंज किये गये. हालांकि मनचलों से निपटने के लिए शहर में पिंक पेट्रोलिंग की गश्ती होती रही.

वैलेंटाइन डे के मौके पर ओजोन गैलेरिया में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत और मौजूद युवा.

फोटो । प्रभात खबर

प्यार के गीतों से सजी महफिल : ओजोन गैलेरिया सरायढेला में वेलेंटाइन डे को लेकर सुरीली महफिल सजायी गयी. 12, 13 फरवरी को सिंगिंग कंपीटीशन आयोजित की गयी थी. वेलेंटाइन ड्यूट सिंगिंग कंपीटीशन लोकल टैलेंट को मंच देने के लिए कराया गया. 14 फरवरी को ग्रैंड फिनाले राउंड हुआ. कंपीटिशन में चयनित प्रतिभागियों ने प्यार के गीत गाये. उपस्थित दर्शकों ने ताली बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया. ओजोन गैलेरिया के प्रबंधक सौरभ विश्वास ने बताया : कंपीटिशन में हर रिश्ते के लिए स्थानीय प्रतिभाओं ने खूब गीत गाये. कंपीटिशन में 26 प्रतिभागी शामिल हुए . 11 प्रतिभागी ग्रैंड फिनाले राउंड में पहुंचे. माहौल को रोमांटिक बनाते हुए सिंगर विश्वरूप राय व उनके पार्टनर ने 'छूकर मेरे मन को किया तूने क्या इशारा... गीत गाया. शशांक एवं स्मृति ने 'जादू में खो गये, तेरे हो गये...', श्रेया और राहुल ने 'इंतहा हो गयी इंतजार की...' गीत से सबों को झुमाया.

क्लबों में फीका-फीका रहा वैलेंटाइन डे

धनबाद. वैलेंटाइन डे इस साल क्लबों में फीका-फीका रहा. शहर में दो मुख्य क्लब धनबाद क्लब व यूनियन क्लब में इस बार वैलेंटाइन डे पर कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया. हालांकि कोरोना काल के पहले इस अवसर पर क्लबों में चहल-पहल होती थी. ज्ञात हो कि कोरोना के कारण सरकारी गाइड लाइन के आलोक में किसी भी क्लब में दो सौ से अधिक लोगों को एक साथ नहीं एकत्रित किया जा सकता है. इसके उल्लंघन पर क्लबों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है.

क्लब प्रबंधन ने क्या कहा

- **धनबाद क्लब :** सचिव संजीव बयोत्रा ने कहा कि कोरोना काल में क्लब बड़ा आयोजन नहीं हो सकता है. क्लब की सदस्यता 800 है. इनमें किसे बुलाये और किसे नहीं. अगर 100 सदस्यों को भी बुलाते है तो प्रति सदस्य के परिवार में कम से कम चार लोग तो होंगे ही. ऐसे में यह संख्या चार गुणा हो जायेगी.
- **यूनियन क्लब :** यूनियन क्लब के सचिव रतनजीत सिंह डांग ने बताया कि उनके यहां भी वैलेंटाइन डे कुछ न कुछ कार्यक्रम निश्चित रूप से हुआ करता था. लेकिन कोरोना काल में इस साल कोई आयोजन नहीं हो पाया.